राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक परिषद के शाषी निकाय और कार्यकारी निकाय की बैठक आयोजित

समाज के सभी वर्गों को जोड़कर पारम्परिक कलाओं का संरक्षण करें –राज्यपाल

जयपुर, 15 दिसम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र समाज के सभी वर्गों को अपने कार्यक्रमों के माध्यम से पारम्परिक कलाओं से जोड़ने का कार्य करे। उन्होंने जनजातीय कलाओं, विलुप्त होती कलाओं, वाद्यों, शैलियों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जाने पर बल दिया है।

राज्यपाल श्री मिश्र बुधवार को यहां राजभवन में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के अध्यक्ष के तौर पर परिषद के शाषी निकाय और कार्यकारी निकाय की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय कलाओं और नामचीन कलाकारों के अनुभवों एवं योगदान के बारे में प्रलेखन को प्रोत्साहन देने के लिए केन्द्र को लेखक फैलोशिप योजना और कलाकार–लेखक यात्रा जैसे आयोजन शुरू करने चाहिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने केन्द्र को अपने आयोजनों के व्यापक प्रचार–प्रसार और उसकी ब्राण्डिग के लिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिन्ट मीडिया के साथ सहभागिता करने और सोशल मीडिया का अधिकाधिक प्रयोग कलाओं के प्रोत्साहन के लिए करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए भी कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नई कला प्रतिभाओं तथा उनकी कला को प्रोत्साहन देकर कलाकारों की नई खेप तैयार करने की दिशा में भी केन्द्र को पहल करनी चाहिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कोविड–19 के दौर में भी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र लोक कलाओं और संस्कृति के प्रोत्साहन के लिए द्वारा वर्चुअल माध्यम से बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय के सहयोग से बेणेश्वर धाम के संत मावजी द्वारा रचित ग्रंथ का फोटो डॉक्यूमेंटेशन किए जाने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

बैठक में केन्द्र की निदेशक श्रीमती किरण सोनी गुप्ता ने केन्द्र के कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत करने के साथ केन्द्र की वार्षिक योजना व कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में निदेशक द्वारा केन्द्र का वर्ष 2020–21 का अंकेक्षित लेखा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में इसके अलावा एजेंडा बिन्दुओं के अनुसार प्रकरणों पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में गोवा के कला एवं संस्कृति मंत्री श्री गोविन्द गौड़े, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अमिता प्रसाद साराभाई, राजस्थान की कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री सौरभ विजय, दादरा–नगर हवेली एवं दमन–दिउ की कला एवं संस्कृति विभाग की शासन सचिव सुश्री पूजा जैन, राज्यपाल के सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी वर्चुअल उपस्थित रहे। बैठक में सदस्य राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा एवं केन्द्र शासित प्रदेश दादरा–नगर हवेली एवं दमन–दिउ से शाषी निकाय और कार्यकारी निकाय के सदस्यगण भी ऑनलाइन रूप से सम्मिलित हुए।

———